वर्ल्ड लेप्रोस्कोपी हॉस्पिटल

कोलन और रेक्टल आंतों की सर्जरी क्या है?

कोलन और रेक्टम के विभिन्न प्रकार के रोग एवं अवस्थाएं हो सकते हैं जिसके लिए सर्जरी प्रस्तावित की जा सकती है। सर्जरी से गुजरने के निर्णय के अलावा, रोगियों को अक्सर पारंपरिक या न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी तकनीक के विकल्प को भी देखना होता है। निर्णय लेने की प्रक्रिया में पूरी तरह से भाग लेने के लिए रोगियों को निम्न बातों के बारे में जानकारी की जरूरत होती है:

- पारंपरिक "खुली" सर्जरी कैसे की जाती है?
- "न्यूनतम इनवेसिव कोलन और रेक्टल सर्जरी" क्या है?
- उपलब्ध न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी तकनीकों का विवरण
- न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के जोखिम और लाभ
- ऑपरेशन और रोगों के प्रकार जिनके लिए न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी उचित है
- रोगी के व्यक्तिगत कारणों के बारे में विचार किया जाना चाहिए
- सर्जन के साथ चर्चा करने के लिए सवाल

न्यूनतम इनवेसिव कोलन और रेक्टल सर्जरी परिवर्तनशील क्षेत्र है। हर साल आगे बढ़ते हुए शोधन और इन तकनीकों के बढ़ते उपयोग के आधार पर नई जानकारी लाता है। इस सामग्री में दी गयी जानकारी और राय 2013 की वर्तमान आधुनिकता पर आधारित हैं।

पारंपरिक खुले कोलन और रेक्टल ऑपरेशन कैसे किये जाते हैं?

पेट के अंदर ऑपरेशन करने के लिए सर्जन को पर्याप्त लंबाई का एक चीरा पर्याप्त दृश्यता, पेट के अंगों तक पहुँच और हाथ से इस्तेमाल होने वाले शल्य उपकरणों के उपयोग की अनुमति के लिए करना होता है। इन चीरों पेट की दीवार के विभिन्न भागों में किया जा सकता है। चीरा लंबाई में 6 से 12 इंच तक का हो सकता है जो रोगी के आकार और ऑपरेशन के प्रकार पर निर्भर करता है। इन चीरों से काफी परेशानी जुड़ी हो सकती है जो सर्जरी के बाद अस्पताल में बिताये जाने वाले समय को लम्बा खींच सकती है और मरीज की सामान्य दैनिक गतिविधियों की शुरूआत को सीमित कर सकती है। क्योंकि परंपरागत तकनीकों को लंबे समय तक इस्तेमाल किया जाता रहा है और सर्जनों को इसे पीढ़ियों से सिखाया जाता रहा है, वे व्यापक रूप से उपलब्ध हैं और उन्हें नई तकनीकों की तुलना करने के लिए मानक उपचार माना जाता है।

न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी क्या है?

न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रियाओं में पारंपरिक खुली सर्जरी में बड़े चीरों की आवश्यकता को दूर करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग होता है। इन तकनीकों का विकास रोगियों के लाभ के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और कई समस्याओं के उपचार के लिए उपयोगी है। "लेप्रोस्कोपिक सर्जरी" न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी का एक विशिष्ट प्रकार है, लेकिन इस शब्द से सामान्यतः न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी का उल्लेख किया जाता है।

न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी कैसे की जाती है?

सर्जन न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी करने के लिए कई अलग अलग तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं। इन सभी तकनीकों का लक्ष्य पेट में बड़े चीरे की आवश्यकता को दूर करके दर्द में कमी लाना और तेज़ रिकवरी करना है। सभी न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी एक सामान्य एनेस्थेटिक के साथ मरीज को निद्रावस्था में रखकर की जाती है। नीचे सूचीबद्ध सभी तकनीकों को "न्यूनतम इनवेसिव" माना जाता है लेकिन अपने अपने फायदे और नुकसान में कुछ भिन्न हैं। सभी में उन्नत तकनीकी कौशल और विशेष उपकरणों की आवश्यकता होती है। सर्जनों को अक्सर दूसरों की तुलना में कुछ तकनीकों के साथ अधिक अनुभव होता है और वे आप के साथ आपके ऑपरेशन के लिए प्रस्तावित विशिष्ट तकनीक की चर्चा कर सकते हैं।

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की एक तकनीक है जिसमे सर्जन एक ही बड़े चीरे के बजाय करीब ½ इंच के कई छोटे चीरे बनाता है। ज्यादातर कोलन और रेक्टल ऑपरेशन के लिए 3-5 चीरों की जरूरत होती है। छोटी ट्यूबें जिन्हें "ट्रोकार" कहा जाता है, उन्हें इन चीरों के ज़रिये पेट में रखा जाता है। सर्जन को काम करने की जगह देने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड गैस पेट को फुलाने में प्रयोग की जाती है। इससे सर्जन को एक पतले धातु के टेलीस्कोप (जिसे लेप्रोस्कोप कहा जाता है) से जुड़े एक कैमरे का इस्तेमाल करने में सहायता मिलती है जिससे उसे ऑपरेटिंग कमरे के मॉनिटर पर पेट के अंदर का वर्धित दृश्य दिखाई देता है। सर्जन के हाथ और पारंपरिक शल्य उपकरणों की जगह लेने के लिए, सर्जन के लिए ट्रोकार से गुजरने के हेतु विशेष उपकरण विकसित किये गए हैं। **आंत को विभाजित करने और फिर से जोड़ने के लिए** सर्जिकल स्टैपलिंग उपकरण और टिश्यू एवं रक्त वाहिकाओं को काटने एवं दागने के लिए ऊर्जा उपकरण भी लेप्रोस्कोपिक उपयोग के लिए अनुकूलित किये गए हैं। **ज्यादातर ऑपरेशन में** पेट से टिश्यू (जिसे कभी कभी "नमूना" कहा जाता है) हटाने के लिए थोड़ा बड़ा चीरा (2-4 इंच लंबाई में) किया जाना चाहिए।

न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के क्या फायदे हैं?

इसमें परंपरागत सर्जरी की तुलना में चीरे बहुत छोटे होते हैं, इसलिए न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के बाद आमतौर पर कम असुविधा होती है। **इससे** अस्पताल में रहने के समय में कमी, लिखित दर्द की दवाओं की ज़रुरत में कमी, सामान्य गतिविधियों में जल्द वापसी और कम दिखाई देने वाले ज़ख्म जैसे परिणाम दिखाई देते हैं। कुछ विशेषज्ञों ने जहाँ न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी को लंबे समय

के लिए लाभकारी होने का सुझाव दिया है, वहीं आम तौर पर यह माना गया है कि सर्जरी से प्रारम्भिक रिकवरी में प्राथमिक लाभ देखे जाते हैं और पारंपरिक और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के दीर्घकालिक परिणाम समान हैं।

क्या न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी खबरों में है?

शुरुआत में गायनेकोलोजिस्ट अपेक्षाकृत सरल प्रक्रियाओं के लिए लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का इस्तेमाल करते थे। 1990 के दशक में, सामान्य सर्जनों ने पित्ताशय की थैली के ऑपरेशन के लिए लेप्रोस्कोपिक तकनीक का उपयोग करना शुरू किया। पित्ताशय की थैली की लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की बढ़ती लोकप्रियता से पेट के सर्जरी सहित अन्य प्रक्रियाओं के लिए लेप्रोस्कोपिक तकनीक का उपयोग होने लगा। जहाँ न्यूनतम इनवेसिव कोलन सर्जरी को 1990 के समय से किया जा रहा है, वहीं प्रौद्योगिकी और तकनीकों में विकास और सुधार जारी है। यह पिछले 25 वर्षों में सर्जिकल देखभाल में सबसे रोमांचक प्रगतिशील क्षेत्रों में से एक रहा है।

क्या न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी सुरक्षित है?

न्यूनतम इनवेसिव कोलन और रेक्टल सर्जरी तकनीकों को मानक सर्जिकल प्रक्रियाओं के रूप में स्वीकार किया जाता है और "प्रायोगिक" नहीं माना जाता है। फिर भी हर शल्य प्रक्रिया में, चाहे न्यूनतम इनवेसिव हो या पारंपरिक, जटिलताओं के कुछ जोखिम रहते हैं। खुली और न्यूनतम इनवेसिव कोलन और रेक्टल सर्जरी दोनों के लिए सामान जोखिम रक्तस्राव, संक्रमण, पोस्ट ऑपरेटिव आंत्र रुकावट और आंत्र एनेसटोमोसिस (री-कनेक्शन) से रिसाव हैं। अन्य जोखिम, जैसे हृदय की समस्याऐं, निमोनिया और खून के थक्कों का जमना किसी भी प्रमुख पेट की सर्जरी के साथ मौजूद होते हैं जिसमें सामान्य एनेसथीसिया की आवश्यकता होती है।

न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी का दुनिया भर के कई क्लिनिकल परीक्षणों में अच्छी तरह से अध्ययन किया गया है और सामान्यतः, इसमें जटिलताओं का खतरा पारंपरिक खुली सर्जरी के के समान पाया गया है। कभी कभी, एक सर्जन को ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जिससे न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी को जारी रखना असुरक्षित हो जाता है। इस स्थिति में पारंपरिक सर्जरी तकनीक का इस्तेमाल कर ऑपरेशन को पूर्ण करने के लिए चीरे को बड़ा किया जाता है। इसे पारंपरिक सर्जरी में "रूपांतरण" के रूप में जाना जाता है और इसे एक जटिलता के बजाय एक अच्छे सर्जिकल फैसले के तौर पर माना जाना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि आप और आपके सर्जन आपकी विशिष्ट स्थिति और उससे सम्बंधित जरुरी ऑपरेशन से जुड़े जोखिम के बारे में आपके निजी स्वास्थ्य के इतिहास के संदर्भ में चर्चा करें।

कौनसे कोलन और रेक्टल ऑपरेशन न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के साथ किये जा सकते हैं?

न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी कई प्रकार की आम कोलन और रेक्टल स्थितियों के लिए जैसे डाइवरटिक्युलीटिस, कोलन पॉलीप्स, जलनशील आंत्र रोग (क्रोहन रोग और अल्सरेटिव कोलाइटिस) और रेक्टल प्रोलैप्स के लिए सफलतापूर्वक की जा सकती है। इसे पूरे कोलन और रेक्टम या कोलन के सिर्फ एक हिस्से या खंड को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। न्यूनतम इनवेसिव तकनीक का ओस्टोमी (एक आंतरिक अंग और शरीर की सतह के बीच सर्जिकली बनाया गया द्वार) बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। वह कोलोस्टॉमी (पेट की दीवार की त्वचा को कोलन के एक भाग से जोड़ना) या इलियोस्टॉमी (छोटी आंत, या इलियम के पिछले भाग को पेट की दीवार की त्वचा से जोड़ना) हो सकता है। इसके अलावा, न्यूनतम इनवेसिव तकनीकों का एक अस्थायी ओस्टोमी को आंत से फिर से जोड़ने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जटिल रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी, जैसे इलीअल थैली बनाना, को एक न्यूनतम इनवेसिव फैशन में किया जा सकता है। कुछ पारंपरिक पेट की कोलन और रेक्टल प्रक्रियाऐं हैं जिन्हें न्यूनतम इनवेसिव तरीके से नहीं किया जा सकता है।

कोलन कैंसर का क्या?

इस बात का पुख्ता सबूत है कि न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी को सुरक्षित रूप से कोलन के कैंसर को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल कोलन कैंसर के 100,000 से अधिक नए मामलों का निदान होता है। क्योंकि न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी का लाभ मुख्य रूप से कम अवधि में देखा जाता है, यह महत्वपूर्ण होता है कि सर्जन सुनिश्चित करें कि न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी से परंपरागत सर्जरी की तरह ही लंबे समय तक की उपचार दर प्रदान की गयी हो। दुनिया भर में कई अध्ययनों से पुष्टि हुई है कि सही तरीके से की गयी न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी कोलन कैंसर के लिए एक उपयुक्त इलाज है। अमेरिकन सोसायटी ऑफ़ कोलन एंड रेक्टल सर्जन (ASCRS) ने अपनाया है: "अनुभवी सर्जन द्वारा किये जाने पर, साध्य कैंसर के लिए लेप्रोस्कोपिक कोलेकटॉमी से ओपन कोलेकटॉमी के सामान कैंसर-संबंधित उत्तरजीविता के परिणाम मिलते हैं"।

रेक्टल कैंसर का क्या?

कैंसर के इलाज के लिए न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी की तुलना पारंपरिक खुली सर्जरी से करने के लिए ज्यादा सबूत नहीं हैं। आम सहमति और ASCRS की आधिकारिक राय के अनुसार न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी स्वीकृत कैंसर सर्जरी सिद्धांतों का पालन करने वाले अच्छी तरह से प्रशिक्षित सर्जन के हाथों में उपयुक्त है। क्लिनिकल परीक्षणों से न्यूनतम इनवेसिव रेक्टल कैंसर सर्जरी के दीर्घकालिक परिणामों के संदेह को दूर करने की उम्मीद की जा रही है।

क्या मेरे लिए न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी सही है?

कुछ रोगी न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के उम्मीदवार नहीं होते हैं। आपके ऑपरेशन का विशेष कारण, पूर्व पेट की सर्जरी, गंभीर मोटापा और पुरानी गंभीर मेडिकल स्थितियां (जैसे गंभीर हृदय या फेफड़ों की बीमारी) जैसे कारणों को समक्ष रखा जाना चाहिए। इसके अलावा, कुछ ऑपरेशन इन तकनीकों के साथ नहीं किये जा सकते। केवल आप और आपके सर्जन ही आपकी स्थिति के लिए सबसे अच्छी सर्जिकल तकनीक के बारे में फैसला ले सकते हैं।

कोलन और रेक्टल सर्जन क्या है?

कोलन और रेक्टल सर्जन पेट, मलाशय, और गुदा के रोगों के सर्जिकल और गैर सर्जिकल उपचार के विशेषज्ञ होते हैं। उन्होंने इन रोगों के उपचार में उन्नत सर्जिकल प्रशिक्षण, साथ ही पूर्ण सामान्य सर्जिकल प्रशिक्षण पूरा किया है। बोर्ड द्वारा प्रमाणित कोलन और रेक्टल सर्जन जनरल सर्जरी और कोलन एवं रेक्टल सर्जरी में पूरी रेजीडेंसी पूर्ण करते हैं, और अमेरिकन सर्जरी बोर्ड और अमेरिकन कोलन एवं रेक्टल सर्जरी बोर्ड द्वारा संयोजित की गयी गहन परीक्षा पास करते हैं। वे अच्छी तरह से पेट, मलाशय और गुदा के सौम्य और घातक रोगों के उपचार में निपुण होते हैं, और संकेत दिए जाने पर नियमित जांच परीक्षाएं करने एवं सर्जिकली स्थितियों से निपटने में सक्षम होते हैं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

वर्ल्ड लेप्रोस्कोपी हॉस्पिटल

साइबर सिटी

गुडगाँव, इंडिया

फ़ोन: +९१९८११४१६८३८, ९८११९१२७६८

ईमेल: contact@laparoscopyhospital.com

वेबसाइट: www.laparoscopyhospital.com